

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—इण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

6 • 258]

मई बिस्सी, गुक्रवार, जून 27, 1986/आवाड़ 6, 1968

No. 258]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 27, 1986/ASADHA 6, 1908

इस भाग में शिल्म पृथ्ठ संस्था **दी जाती हैं जिससे कि यह अलग** संकलद के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्यागिक विकास विभाग)

नई दिली, 27 जून 1966

श्रादश

का श्रा 385 (श्र)/18ए ए | श्राई ही श्रार ए | 86——भारत सरकार के उद्योग मवालय (औद्योगिक विकास विभाग) के श्रादेश स का श्रा 170(श्र)/18 ए ए | श्राई डी श्रार ए | 79, तारीख 30 मार्च, 1979 द्वारा (जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त श्रादेश कहा गया है) मैमर्म महादेव टेक्सटाइल मित्स, हुबली, कर्नाटक नामक समस्त ओद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उद्योग (विकास और विनियमन) श्रिधिनयम, 1951 (1951 वा 65) की धारा 18-कक क श्रिधीन उक्त श्रादेश के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से प्रारम्भ होने वाली पाच वर्ष की श्रवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया था और कर्नाटक राज्य सरकार की उक्त श्रीधोगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए ग्राधिकृत किया गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मेबालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश स. का. आ. 208(अ)/18-ए.ए/आई.डी. श्रार. ए/४४, लारीख 27 मार्च 1984 द्वारा उक्त ब्रादेश की श्रविध 29 सितस्**वर,** 1984 तक व लिए, जिसम यह तारीख़ भी सम्मिलित है **ब**ढा **दी गई** श्री

और, भारत सरकार के उद्योग मतालय (औद्यागिक विकास विभाग) के ब्रादेश स का. क्या 740(अ)/18-एए/अर्झाई डी श्वार ए /84, तारीख 26 सितम्बर, 1984 द्वारा उक्त ब्रादेश की ग्रवधि 29 मार्च, 1985 तक के लिए जिसमें यह ताराख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी,

और, भारत सरकार के उद्योग और कपनी कार्य मतालय (औंद्योगिक विकास विभाग) के ग्रादेश स का. आ 237(7)/18-एए/प्राई. डी. ग्रार π /85, तारीख 26 मार्च, 1985 द्वारा उक्त प्रादेश की ग्रविश्व 29 मिनम्बर, 1985 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी नई थी,

और, भारत सरकार के उद्योग और कपनी कार्य मलालय (औद्योगिक विकास विभाग) के अदिश स. का. आ. 690(अ)/18-एए/आई छी. आर. ए./85, तारीख 25 सितम्बर, 1985 द्वारा उक्त आदेश की अविधि 29 मार्च, 1986 तक के लिए,जिसमे यह तारीख भी सम्मिबिक है, बढ़ा दी गई थी,

और, भारत सरकार के उद्योग मजालय (औद्योगिक विकास विभाग) के ब्रादेश स. का. 91.16(9)/18-ए ए /18-ए ए ए /18-ए ए /

A THE REAL PROPERTY AND THE PROPERTY AND

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उन्त आदेश की अवधि कों, 29 सितम्बर, 1986 तक, जिममे यह तारीख भी मिम-लित है, तीन माम की अवधि के लिए बढ़ा दिया जाए,

अत. केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) को आरा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त अस्तिया का प्रयाग करत हुए, निदय देता है कि उसत अगदेश 29 सितम्बर, 1986 तक, जिसम यह ताराख भी मिन्मीयत है, तीन मास की अपर अविधि के लिए प्रवार्व नता रहेगा ।

,फा. प. अ(2)/79-सी. यू. एस.]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development) New Delhi, the 27th June, 1986

ORDERS

\$.O. 385(E) 18AA IDRA 86.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 170(E)/18AA/IDRA/79, dated the 30th March, 1979 (hereinafter reteriod to as the said Order), the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Mahadeva Feville Milis, Hubli, Karnataka, we faken over under Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years commencing from the date of its publication of the said Order in the Official Gazette, and the State Government of Karnataka, was authorised to take over the management of the said Industrial undertaking;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 208 (E)/18AA] IDRA/84, dated the 27th March, 1984, the period of the said Order was extended upto and inclusive of the 29th September, 1984;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 740(E) 18AA IDRA 84. dated the 26th September, 1984, the period of the said Order was extended upto and inclusive of the 29th March, 1985;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 237(E) 18AA IDRA 85, dated the 26th March, 1985, the period of said Order was extended upto and inclusive of the 29th September. 1985;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 690(E)|18AA|IDRA|85, dated the 25th September, 1985, the period of said Order was further extended upto and inclusive of 29th March, 1986;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 116(E) 18AA IDRA 86, dated the 27th March, 1986, the period of said Order was further extended upto and inclusive of the 29th June, 1986;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of three months upto and inclusive of the 29th September, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 13AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (55 of 1951), the Central Government hereby direct sthat the said Order shall continue to have effect for a further period of three months upto and inclusive of the 29th September, 1986;

[F. No. 3(2)/79-CUS]

का आ. ३५९ (ग्र) 'त-यब/ग्रार्ड, जी ग्राम ए/४०.--निर्माय सरकार न भारत ये तर ते उठीव मजालय (ओपानिक विकास विभाग) के आदन न. की .92(अ)। उन्बज्जाई, डी. कार. ए /79 तारोख 31 मार्च, 979 बारा (जिस हो इक्त प्रवात उन्त ग्रादम कदा गया है। उस किस और विनियं स्त्र) क्रियम किस किस ना 65) के धारा 13न्य की उपधारा (1) के एउ (३) हारा प्रदत्त पिनियों का अभोग करते हुए, उर घलाग रा हि हम आहे। ने जारी किए जा। राजा विख्या के जिल्हा ने पून होती जा साज सओ सम्प्रति के इस्तातरन पत्रा, करारा, पनिविधीरका, पत्राटा, न्यायी स्रादेणो या ग्रन्थ निवता या । तो भिन । मेरी . चितीय सम्यासा च प्रतिभा बाधित्वा से सबकित हो, जिनका तिसं महादेव जैनत्याहन जिल्स इवली कन टक नामक कोर्यांगिक उपत्रन एक एक्षका है या जा उटा औस'निक अकम का लाग्है, प्रवर्तन ऐती तारीख दे एक वर्ष की अवधि क निग्निनिस्विन रहना, और उन्त नारीख से पहले उसके अधीन प्रोद्भृत या उद्भृत सभी बाब्यनाए और दाशिन्व उक्त अवधि के लिए तिकत्वक हेगे;

और भारत सरकार के उद्योग मतालय (औद्योगिक विकाम विभाग) के स्रादण स. का. स्रा $232(\pi)/18$ -चख/स्राई तो स्रार ए /80, तारीख 31 मार्च, 1980, का. स्रा. 215(3)/18-चख/स्राई तो. स्रार ए /81, तारीख 25 मार्च, 1981, रा. स्रा $209(\pi)$, 18-चख/स्राई डी. श्रार ए /82 तारीख 30 मार्च, 1982, का स्रा. $258(\pi)$ 18-चख/स्राई डी. श्रार ए /83—, ताराख 30 मार्च, 1983, का स्रा $209(\pi)/18$ -चख/स्राई डी. श्रार ए /81 तारीख 27 मार्च, 1994, का. सा. स. $741(\pi)/18$ -चख/स्राई. डी. स्रार ए /84—तारीख तकास विगाग) के का ए /85, तारीख 26 मार्च 1985, का स्रा. स. $238(\pi)/18$ -चख/स्राई. डी. श्रार ए /85, तारीख 26 मार्च 1985, का स्रा. स. $238(\pi)/18$ -चख/स्राई. डी. श्रार ए /85, तारीख 26 मार्च 1985 का स्रा. स. $238(\pi)/18$ -चख/स्राई. डी. श्रार ए /86, तारीख 27 मार्च, 1986 तारीख 27 मार्च, 1986 तारीख 27 मार्च, 1986 तारीख 27 मार्च, 29 जत, 1986 तक, जिसमे यह तारीख भा मि-मान्त है बढा दो गई थी;

नौर केन्द्रीय सरकार का वह समाधान हो निया है कि उनका आदेश 29 निनम्बर, 1986 तक की तीन माम की और ग्रवधि के लिए, जिससे यह नारोक की सम्मिलित है, बढा दी जानी चाहिए; श्रतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) श्रश्चिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-चख की उपधारा (2) के साथ पिठत उपधारा (1) द्वाराप्रदत्त सिन्तयों का प्रयोग करते हुए उनत आदेश की अविधि को 29 सितम्बर, 1986 तक तीन मास की और श्रवधि के खिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[फा. स. 3(2)/79-सी यू एस] ए. बी. गोकाक, समुक्त सचिव

S.O. 386(E)|18FB|IDRA|86,—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 192 (E)/18FB/1DRA/79, dated the 31st March, 1979 (hereinafter referred to as the Order), the Central Government, in exercise of the powers, conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Mahadeva Textiles Mills, Hubli, Karnataka, is party or which may be applicable to the said Industrial undertaking shall remain suspended for a period of one year from such date and that all ebligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 232(E)|18FB| IDRA|80, dated the 31st March, 1980, S.O. 215(E)|18FB|IDRA|81, dated the 25th March, 1981, S.O. 209(E)|18FB|IDRA|82, dated the 30th March, 1982, S.O. 258(E)|18FB|IDRA|83, dated the 30th March, 1983, S.O. 209(E)'18FB|IDRA|84, dated the 27th March, 1984, S.O. 741(E)|18FB|IDRA|84, dated the 26th September, 1984, and the Orders of the Ministry of Industry and Company Affairs (Department of Industrial Development No. S.O. 238(E)|18FB|IDRA|85, dated the 26th March, 1985, S.O. 691(E)|18FB|IDRA|85, dated the 25th September, 1985 and S.O. 117(E)|18FB|IDRA|86, dated the 27th March, 1986, the duration of the said Order was further extended upto and inclusive of the 29th June, 1986;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of three months upto and inclusive of the 29th September, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2), of Section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period of three months upto and inclusive of the 29th September, 1986.

[File No. 3(2)]79-CUS] A. V. GOKAK, Jt. Sccy.